



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]  
No. 275]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 24, 2006/चैत्र 3, 1928  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 24, 2006/CHAITRA 3, 1928

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 381(अ).**—चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23 क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 23 फरवरी, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 239 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने बैंक आफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित **रायबरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सुल्तानपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कानपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, इलाहाबाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, प्रतापगढ़ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, फतेहपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और फैजाबाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक** (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे **"बड़ौदा पूर्वी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक"** कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय **"रायबरेली"** में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि **रायबरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सुल्तानपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कानपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, इलाहाबाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, प्रतापगढ़ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, फतेहपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और फैजाबाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक**, जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 23 फरवरी, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 1(26)/2005-आरआरबी (i)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Economic Affairs)**  
**(BANKING DIVISION)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 381(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number S.O. 239(E) dated 23rd February, 2006, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the Raebareli Kshetriya Gramin Bank, Sultanpur Kshetriya Gramin Bank, Kanpur Kshetriya Gramin Bank, Allahabad Kshetriya Gramin Bank, Pratapgarh Kshetriya Gramin Bank, Fatehpur Kshetriya Gramin Bank, and Faizabad Kshetriya Gramin Bank (Regional Rural Banks) sponsored by Bank of Baroda into a single Regional Rural Bank called as “Baroda Eastern Uttar Pradesh Gramin Bank” with its Head Office at “Raebareli”.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from 23rd February, 2006, Raebareli Kshetriya Gramin Bank, Sultanpur Kshetriya Gramin Bank, Kanpur Kshetriya Gramin Bank, Allahabad Kshetriya Gramin Bank, Pratapgarh Kshetriya Gramin Bank, Fatehpur Kshetriya Gramin Bank, and Faizabad Kshetriya Gramin Bank, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(26)/2005-RRB(i)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 382(अ).**— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 24 जनवरी, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 76 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पंजाब नैशनल बैंक द्वारा प्रायोजित शेखावटी ग्रामीण बैंक और अलवर, भरतपुर आंचलिक ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का समामेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे “राजस्थान ग्रामीण बैंक” कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय “अलवर” में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि शेखावटी ग्रामीण बैंक और अलवर, भरतपुर आंचलिक ग्रामीण बैंक, जो समामेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 24 जनवरी, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा।

[फा. सं. 1(26)/2005-आरआरबी (ii)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 382(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 76(E)** dated **24th January, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Shekhawati Gramin Bank and Alwar Bharatpur Anchalik Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by **Punjab National Bank** into a single Regional Rural Bank called as “**Rajasthan Gramin Bank**” with its Head Office at “**Alwar**”.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **24th January, 2006**, the **Shekhawati Gramin Bank and Alwar Bharatpur Anchalik Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(26)/2005-RRB(ii)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 383(अ).**— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 27 जनवरी, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 95 (अ)

द्वारा केन्द्रीय सरकार ने यूको बैंक द्वारा प्रायोजित जयपुर नागौर आंचलिक ग्रामीण बैंक और थार आंचलिक ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे "जयपुर थार ग्रामीण बैंक" कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय "जयपुर" में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि जयपुर नागौर आंचलिक ग्रामीण बैंक और थार आंचलिक ग्रामीण बैंक, जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 27 जनवरी, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 1(26)/2005-आरआरबी (iii)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 383(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 95(E)** dated **27th January, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Jaipur Nagaur Anchalik Gramin Bank and Thar Anchalik Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by UCO Bank into a single Regional Rural Bank called as "**Jaipur Thar Gramin Bank**" with its Head Office at "**Jaipur**".

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **27th January, 2006**, the **Jaipur Nagaur Anchalik Gramin Bank and Thar Anchalik Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(26)/2005-RRB(iii)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 384(अ).**— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 3 फरवरी, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 130 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने बैंक आफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित मरुधर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बूंदी चित्तौड़गढ़ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भीलवाड़ा-अजमेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और डुंगरपुर-बंसवाड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का समामेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे "बड़ौदा-राजस्थान ग्रामीण बैंक" कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय "अजमेर" में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है।

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि मरुधर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बूंदी चित्तौड़गढ़ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भीलवाड़ा-अजमेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और डुंगरपुर-बंसवाड़ा, जो समामेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 3 फरवरी, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा।

[ फा. सं. 1(26)/2005-आरआरबी (iv) ]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 384(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number S.O. 130(E) dated 3rd February, 2006, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the Marudhar Kshetriya Gramin Bank, Aravali Kshetriya Gramin Bank, Bundi-Chitorgarh Kshetriya Gramin Bank, Bhilwara-Ajmer Kshetriya Gramin Bank & Dungarpur-Banswara Kshetriya Gramin Bank (Regional Rural Banks) Sponsored by Bank of Baroda into a single Regional Rural Bank called as "Baroda Rajasthan Gramin Bank" with its Head Office at "Ajmer".

906 GI/06-2

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from 3rd February, 2006, **Marudhar Kshetriya Gramin Bank, Aravali Kshetriya Gramin, Bundi-Chitorgarh Kshetriya Gramin Bank, Bhilwara-Ajmer Kshetriya Gramin Bank & Dungarpur-Banswara Kshetriya Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(26)/2005-RRB(iv)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 385(अ).**—जबकि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), आंध्र प्रदेश सरकार और स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद जो श्री सरस्वती ग्रामीण बैंक, सतवाहन ग्रामीण बैंक, श्रीराम ग्रामीण बैंक और गोलकुंडा ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का प्रायोजक बैंक है, से परामर्श करने के बाद केन्द्र सरकार का यह विचार है कि जनहित एवं उपर्युक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा जिन क्षेत्रों में सेवा दी जा रही है, उन क्षेत्रों के विकास के हित में तथा स्वयं उक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के हित में यह आवश्यक है कि उक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को एकल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में समामेलित किया जाए;

इसलिए, अब प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976, (1976 का 21) जिसे बाद में "अधिनियम" के रूप में उल्लेखित किया गया, की धारा 23 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा, उक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को एकल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में समामेलित करने का प्रावधान करती है जो ऐसे संघटन, सम्पत्ति, शक्ति, अधिकार, हितों, प्राधिकारों एवं विशेषाधिकारों; तथा ऐसी देयताओं, कर्तव्यों एवं दायित्वों जो नीचे विनिर्दिष्ट हैं, के साथ सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से लागू होगा ("समामेलन की प्रभावी तिथि" के रूप में उल्लिखित):-

1. आंध्र प्रदेश राज्य में स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद द्वारा प्रायोजित श्री सरस्वती ग्रामीण बैंक, श्री सतवाहन ग्रामीण बैंक, श्रीराम ग्रामीण बैंक और गोलकुंडा ग्रामीण बैंक (इसके पश्चात् अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के रूप में उल्लिखित) को एतद्वारा एकल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में समामेलित किया जाता है जो दक्कन ग्रामीण बैंक (इसके पश्चात् "अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक" के रूप में उल्लिखित) कहलायेगा, का प्रधान कार्यालय **रंगारेड्डी** में होगा।

2. अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की प्राधिकृत पूंजी पांच करोड़ रुपए होगी जो, प्रत्येक एक सौ रुपए के पूर्ण चुकता शेयरों की पांच लाख की संख्या में विभाजित होगी। अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की अभिदत्त शेयर पूंजी अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की अभिदत्त शेयर पूंजी के बराबर होगी तथा इस प्रकार, अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संपूर्ण अभिदत्त शेयर पूंजी हस्तांतरित मानी जाएगी और अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की अभिदत्त शेयर पूंजी के रुप में मानी जाएगी। अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की संपूर्ण शेयर पूंजी एवं शेयर पूंजी जमा निम्नांकित है :-

(क)	केन्द्र सरकार	:	दो सौ लाख रुपए
(ख)	राज्य सरकार	:	साठ लाख रुपए
(ग)	प्रायोजक बैंक	:	एक सौ चालीस लाख रुपए
(घ)	शेयर पूंजी जमा	:	चौदह करोड़ सात लाख तेईस हजार रुपए।

3. समामेलन की प्रभावी तिथि से, अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक यथा - श्री सरस्वती ग्रामीण बैंक, श्री सतवाहन ग्रामीण बैंक, श्रीराम ग्रामीण बैंक और गोलकुंडा ग्रामीण बैंक पर, इस अधिसूचना के अनुसार समामेलन के प्रावधानों को लागू करने के लिए जो आवश्यक होगा, को छोड़कर किन्हीं भी जमाकर्ताओं को किसी प्रकार का भुगतान करने अथवा उधारकर्ताओं को किसी प्रकार की देनदारी अथवा बाध्यताएं चुकाने सहित कारोबार करने पर प्रतिबंध होगा।

4. (i) समामेलन की प्रभावी तारीख से अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के उपक्रम, अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को अंतरित हो जाएंगे और उनमें निहित हो जाएंगे।

(ii) अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के उपक्रमों में सभी आस्तियों, अधिकार, शक्तियों, प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी चल और अचल सम्पत्तियों, शेष नकदी, आरक्षित निधियों, निवेश और अन्य सभी राइट्स और ऐसी सम्पत्तियों पर या उससे प्राप्त होने वाला ब्याज, जो इस अधिसूचना के लागू होने से तत्काल पूर्व अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के स्वामित्व, अधिकार, पॉवर या नियंत्रण में हो, चाहे वह भारत में हो या बाहर, तथा सभी लेखा-बहियां, रजिस्टर, रिकार्ड और उससे संबंधित सभी प्रकार के अन्य सभी कागजात शामिल होंगे और इसमें अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का उस समय निर्वाह करने वाले सभी प्रकार के उधारों, देयताओं और दायित्वों को भी अनिवार्य रुप से शामिल किया जाएगा।

(iii) इस अधिसूचना के लागू होने से तत्काल पूर्व निर्वाह करने वाली या प्रभावी सभी संविदाएं, करार बांड, समझौते, गारंटियां मुख्तारनामा, कानूनी प्रतिवेदन की मंजूरी और किसी भी प्रकार के अन्य लिखत और जिसके लिए अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एक पक्ष हैं या जो अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पक्ष में हैं, पूरी क्षमता से अंतरिती से क्षेत्रीय ग्रामीण

बैंक के विरुद्ध या पक्ष में होंगे और इसे पूरी तरह से और प्रभावी ढंग से अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के स्थान पर लागू किया गया है, अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक इसका एक पक्ष रहा है या मानो उन्हें अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के पक्ष में जारी किया गया हो।

- (iv) यदि, सम्मेलन की प्रभावी तारीख को अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के किसी कारोबार के संबंध में किसी भी प्रकार का वाद, अपील या अन्य कार्यवाहियां अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा या के विरुद्ध लम्बित है, यह अंतरणकर्ता बैंकों के उपक्रमों के अंतरण इस अधिसूचना में दिए गए किसी तथ्य के कारण समाप्त नहीं किया जाएगा, जारी रखना बंद नहीं किया जाएगा या किसी भी प्रकार से दुराग्रहपूर्ण तरीके से प्रभावित नहीं होगा, लेकिन वाद, अपील या अन्य कार्यवाहियां अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों द्वारा या के विरुद्ध जारी रखी जा सकती हैं, अभियोजन किया जा सकता है और लागू किया जा सकता है।
  - (v) किसी समझौता, संविदा, हस्तांतरण पत्र, आश्वासन, मुख्तारनामा या किसी भी प्रकार के किसी अन्य कागजात में अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से किये गए पत्राचार को अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से किया गया पत्राचार माना जाएगा और अंतरणकर्ता बैंकों के अधिकारों एवं दायित्वों को अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अधिकार और दायित्व माना जाएगा।
5. (i) अंतरणकर्ता बैंक के प्रत्येक बचत बैंक खाता या चालू खाता या सावधि जमा, नकदी प्रमाणपत्र, मासिक जमाराशियां, मांग या अल्पसूचना पर देय जमाराशि या किसी भी नाम से पहचानी जाने वाली किसी अन्य जमाराशियों सहित कोई अन्य जमाराशि खाते के संबंध में, अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सम्मेलन की प्रभावी तारीख को अपने यहां उसके संबंधित जमाकर्ताओं के नाम से तदनुषंगी और समान खाता खोलेगा और उसके ब्याज की देय मात्रा सहित पूरी राशि जमा करेगा।
- बशर्ते, जहां कि अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को किसी खास खाते में की गई प्रविष्टियों के सही होने पर पर्याप्त शक हो, यह प्रायोजक बैंक के अनुमोदन से, सम्मेलन की प्रभावी तारीख से तीन महीने से अनधिक की अवधि के लिए, उस खाते में जमा करने की प्रक्रिया को रोक सकता है जिसके भीतर अंतरिती बैंक ऐसे खाते में सही शेष राशि सुनिश्चित करेगा।
- (ii) अन्य सभी देयताओं के संबंध में, सम्पत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 या रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में किसी बात के होते हुए भी यह अधिसूचना अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कारोबार सम्पत्ति, अस्ति एवं देयताओं, अधिकारों, हितों, शक्तियों, विशेषाधिकारों, लाभों और किसी भी प्रकार के दायित्वों का इस अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पर्याप्त हस्तांतरण होगा।



6. अंतरणकर्ता क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के सभी कर्मचारियों (औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अर्थ के भीतर उनमें से ऐसों को छोड़कर जो कर्मकार न हों) की सेवा अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में उसी पारिश्रमिक और सेवा की उन्हीं शर्तों पर जारी रहेगी जो वे प्राप्त कर रहे थे या जैसा भी मामला हो, समामेलन की प्रभावी तारीख से तत्काल पहले जिसके द्वारा वे नियंत्रित होते थे। प्रत्यक्ष रूप से भर्ती किए गए और/या पदोन्नत किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की परस्पर वरिष्ठता का निर्णय उस समिति द्वारा किया जाएगा जिसमें प्रायोजक बैंक तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक का प्रतिनिधि होगा।
7. अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के पास बैंक और जनता के हित में कर्मचारियों को अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समस्त परिचालन क्षेत्र में कहीं भी तैनात करने का अधिकार है।
8. अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के परिचालन क्षेत्र में अंतरणकर्ता बैंकों, अर्थात् आंध्र प्रदेश राज्य के अदिलाबाद, निजामाबाद, करीमनगर और रंगारेड्डी जिलों में श्री सरस्वती ग्रामीण बैंक, श्री सतवाहन ग्रामीण बैंक, श्रीराम ग्रामीण बैंक और गोलकुंडा ग्रामीण बैंक के परिचालन क्षेत्र शामिल होंगे।
9. जब तक इस अधिसूचना में स्पष्ट रूप से न दिया गया हो, इस अधिनियम के उपबंधों का अंतरिती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक पर ऐसा प्रभाव होगा मानो उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत इसे स्थापित किया गया हो।
10. इस अधिसूचना के किसी प्रावधान को प्रभावी बनाने में यदि कोई कठिनाई उत्पन्न होती है तो केन्द्र सरकार, जो उक्त अधिनियम के उपबंधों के असंगत न हो और जो ऐसी कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य के लिए आवश्यक प्रतीत हो, ऐसे आदेश बना सकती है।

[फा. सं. 1(26)/2005-आरआरबी (V)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

90061/06-3

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 385(E).**—Whereas the Central Government, after consultation with the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Government of **Andhra Pradesh** and the **State Bank of Hyderabad**, being the Sponsor Bank of **Sri Saraswathi Grameena Bank, Sri Sathavahana Grameena Bank, Sri Rama Grameena Bank and Golconda Grameena Bank** (Regional Rural Banks), is of the opinion that it is necessary in the public interest and in the interest of the Development of the area served by the aforesaid Regional Rural Banks and also in the interest of the said Regional Rural Banks themselves, that the said Regional Rural Banks should be amalgamated into a single Regional Rural Bank;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) hereinafter referred to as “the Act”, the Central Government hereby provides for the amalgamation of the said Regional Rural Banks into a single Regional Rural Bank which shall come into effect on and from the date of publication of this notification in the Official Gazette ( hereinafter referred to as the “effective date of amalgamation”) with such constitution, property, powers, rights, interests, authorities and privileges; and with such liabilities, duties and obligations as specified hereunder:-

1. The **Sri Saraswathi Grameena Bank, Sri Sathavahana Grameena Bank, Sri Rama Grameena Bank and Golconda Grameena Bank** (hereinafter referred to as “the transferor Regional Rural Banks”) sponsored by the **State Bank of Hyderabad** in the State of **Andhra Pradesh** are hereby amalgamated into a single Regional Rural Bank which shall be called as **Deccan Grameena Bank** (hereinafter referred to as “the transferee Regional Rural Bank”) with its head office at **Rangareddy**.

2. The authorised capital of the transferee Regional Rural Bank shall be rupees five crore divided into five lakh number of fully paid shares of rupees one hundred each. The subscribed share capital of the transferee Regional Rural Bank shall be equal to the subscribed share capital of transferor Regional Rural Banks and, therefore, the entire subscribed share capital of the transferor Regional Rural Banks shall be deemed to have been transferred to and shall be deemed as subscribed share capital of the transferee Regional Rural Bank. The entire share capital and share capital deposit of the transferee Regional Rural Bank shall be as under:-

- (a) Central Government : Rupees **two hundred lakh**;
- (b) State Government : Rupees **sixty lakh**;
- (c) Sponsor Bank : Rupees **one hundred and forty lakh**; and
- (d) Share Capital Deposit: Rupees **fourteen crore seven lakh and twenty three thousand**

3. From the effective date of amalgamation, the transferor Regional Rural Banks viz. **Sri Saraswathi Grameena Bank, Sri Sathavahana Grameena Bank, Sri Rama Grameena Bank and Golconda Grameena Bank** shall cease to carry on the business including that of making any payment to any

depositors or discharge any liability or obligation to the creditors except to the extent as may be necessary for implementation of the provisions of the amalgamation as per this notification.

4. (i) From the effective date of amalgamation, the undertakings of the transferor Regional Rural Banks shall be transferred to and shall vest in the transferee Regional Rural Bank;

(ii) The undertakings of the transferor Regional Rural Banks shall include all assets, rights, powers, authorities and privileges and all property movable and immovable, cash balance, reserve funds, investments and all other rights and interest in or arising out of such property, as are immediately before the commencement of this notification, in the ownership, possession, power or control of the transferor Regional Rural Banks whether within or outside India and all books of accounts, registers, records and all other documents of whatever nature relating thereto and shall also be deemed to include all borrowings, liabilities and obligations of whatever kind then subsisting of the transferor Regional Rural Banks;

(iii) All contracts, deeds, bonds, agreements, guarantees, powers of attorney, grants of legal representation and other instruments of whatsoever nature subsisting or having effect immediately before the commencement of this notification and to which the transferor Regional Rural Banks are a party or which are in favour of the transferor Regional Rural Banks shall be in full force and effect against or in favour of the transferee Regional Rural Bank and may be enforced or acted upon as fully and effectively as if in the place of the transferor Regional Rural Banks, the transferee Regional Rural Bank has been a party thereto or as if they had been issued in favour of the transferee Regional Rural Bank;

(iv) If, on the effective date of amalgamation, any suit, appeal or other proceedings of whatsoever nature in relation to any business of the transferor Regional Rural Banks are pending by, or against to, the transferor Regional Rural Banks, the same shall not abate, be discontinued or be, in any way, prejudicially affected by reason of the transfer of the undertaking of the transferor Regional Rural Banks or of anything contained in this notification but the suit, appeal or other proceedings may be continued, prosecuted and enforced by, or against, the transferee Regional Rural Bank;

(v) Any reference to the transferor Regional Rural Banks in any agreement, contract, conveyance, assurance, power of attorney or any other document of whatsoever nature shall be deemed to be a reference to the transferee Regional Rural Bank and the rights and obligations of the transferor Regional Rural Banks shall be deemed to be the rights and obligations of the transferee Regional Rural Bank.

5. (i) In respect of every savings banks account or current account or any other deposit account including a fixed deposit, cash certificate, monthly deposit, deposit payable at call or short notice or any other deposits by whatever name called with the transferor Regional Rural Bank, the transferee Regional Rural Bank shall open with itself on the effective date of amalgamation a corresponding and similar account in the name of the respective holder(s) thereof crediting thereto full amount including interest to the extent payable:

Provided that where the transferee Regional Rural Bank entertains a reasonable doubt about the correctness of the entries made in any particular account, it may with the approval of the Sponsor Bank withhold the credit to be made in that account for a period not exceeding three months from the effective date of amalgamation within which the transferee bank shall ascertain the correct balance in such account.

(ii) In respect of every other liability, notwithstanding anything contained in the Transfer of Property Act, 1882 or the Registration Act, 1908, this notification shall be sufficient conveyance, in accordance with the provisions of this notification, of the business, properties, assets and liabilities, rights, interests, powers, privileges, benefits and obligations of whatever nature of the transferor Regional Rural Banks to the transferee Regional Rural Bank.

6. The service of all the employees of the transferor Regional Rural Banks (excepting such of them as not being workmen within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947 ) shall continue in the transferee Regional Rural Bank at the same remuneration and on the same terms and conditions of service, which they were getting or, as the case may be, by which they were governed immediately before the effective date of amalgamation. The inter-se-seniority of officers and employees, directly recruited and / or promoted, to be decided by the Committee representing the sponsor bank and the National Bank for Agriculture and Rural Development.

7. The transferee Regional Rural Bank shall have the power to post the employees in the interest of the bank and the public as a whole anywhere in the entire area of operation of the transferee Regional Rural Bank.

8. The area of operation of the transferee Regional Rural Bank shall be the combined area of operation of the transferor Regional Rural Banks viz. **Sri Saraswathi Grameena Bank, Sri Sathavahana Grameena Bank, Sri Rama Grameena Bank and Golconda Grameena Bank in Adilabad, Nizamabad, Karimnagar and Rangareddy Districts of the State of Andhra Pradesh.**

9. Unless otherwise expressly provided in this notification, the provisions of the Act shall have the same effect on the transferee Regional Rural Bank as if it has been established under sub-section (1) of section 3 of the Act.

10. If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this notification, the Central Government may make such order, not inconsistent with the provisions of the Act, as may appear to it to be necessary for the purpose of removing such difficulty.

[F. No. 1(26)/2005-RRB(v)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 386(अ).**—चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 10 फरवरी, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 197 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पंजाब नैशनल बैंक द्वारा प्रायोजित भोजपुर रोहतास ग्रामीण बैंक, मगध ग्रामीण बैंक, नालंदा ग्रामीण बैंक तथा पाटलीपुत्र ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे "मध्य बिहार ग्रामीण बैंक" कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय "पटना" में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है,

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, निदेश देती है कि भोजपुर रोहतास ग्रामीण बैंक, मगध ग्रामीण बैंक, नालंदा ग्रामीण बैंक तथा पाटलीपुत्र ग्रामीण बैंक, जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 10 फरवरी, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा।

[ फा. सं. 1(1)/2006-आरआरबी (i) ]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 386(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 197(E)** dated **10th February, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Bhojpur Rohtas Gramin Bank, Magadh Gramin Bank, Nalanda Gramin Bank and Patliputra Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by **Punjab National Bank** into a single Regional Rural Bank called as “**Madhya Bihar Gramin Bank**” with its Head Office at “**Patna**”.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **10th February, 2006**, the **Bhojpur Rohtas Gramin Bank, Magadh Gramin Bank, Nalanda Gramin Bank and Patliputra Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(1)/2006-RRB(i)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

900GI/06-4

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

का.आ. 387(अ).— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक **1 मार्च, 2006** की अधिसूचना संख्या सां.आ. **263 (अ)** द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इलाहाबाद बैंक द्वारा प्रायोजित **छत्रसाल ग्रामीण बैंक, तुलसी ग्रामीण बैंक और विन्ध्यवासिनी ग्रामीण बैंक** (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे **"त्रिवेणी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक"** कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय **"उरई"** में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि **छत्रसाल ग्रामीण बैंक, तुलसी ग्रामीण बैंक और विन्ध्यवासिनी ग्रामीण बैंक**, जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, **1 मार्च, 2006** से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 1(1)/2006-आरआरबी (ii)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 387(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 263(E)** dated **1st March, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Chattarasal Gramin Bank, Tulsi Gramin Bank and Vindhyavasini Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by Allahabad Bank into a single Regional Rural Bank called as **"Triveni Kshetriya Gramin Bank"** with its Head Office at **"Orai"**.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **1st March, 2006**, **Chattarasal Gramin Bank, Tulsi Gramin Bank and Vindhyavasini Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(1)/2006-RRB(ii)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 388(अ).**— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक **1 मार्च, 2006** की अधिसूचना संख्या सां.आ. **264 (अ)** द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इलाहाबाद बैंक द्वारा प्रायोजित **भागीरथ ग्रामीण बैंक, श्रावस्ती ग्रामीण बैंक और सरयू ग्रामीण बैंक** (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का समामेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे "**लखनऊ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक**" कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय "**सीतापुर**" में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि **भागीरथ ग्रामीण बैंक, श्रावस्ती ग्रामीण बैंक और सरयू ग्रामीण बैंक**, जो समामेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, **1 मार्च, 2006** से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 1(1)/2006-आरआरबी (iii)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 388(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 264(E)** dated **1st March, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Bhagirath Gramin Bank, Shravasti Gramin Bank and Sarayu Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by **Allahabad Bank** into a single Regional Rural Bank called as “**Lucknow Kshetriya Gramin Bank**” with its Head Office at “**Sitapur**”.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **1st March, 2006**, **Bhagirath Gramin Bank, Shravasti Gramin Bank and Sarayu Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(1)/2006-RRB(iii)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 389(अ).**—चूँकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक **1 मार्च, 2006** की अधिसूचना संख्या सां.आ. **265 (अ)** द्वारा केन्द्रीय सरकार ने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित **चम्पारण क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मधुबनी क्षेत्रीय ग्रामीण, मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, गोपालगंज क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सरन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सीवान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक** (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे “**उत्तर बिहार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक**” कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय “**मुजफ्फरपुर**” में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निदेश देती है कि **चम्पारण क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मधुबनी क्षेत्रीय ग्रामीण, मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण**



बैंक, गोपालगंज क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सरन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सीवान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जो समामेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 1 मार्च, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा।

[फा. सं. 1(1)/2006-आरआरबी (iv)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 389(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 265(E)** dated 1st March, 2006, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Champaran Kshetriya Gramin Bank, Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Madhubani Kshetriya Gramin Bank, Mithila Kshetriya Gramin Bank, Gopalganj Kshetriya Gramin Bank, Saran Kshetriya Gramin Bank and Siwan Kshetriya Gramin Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by Central Bank of India into a single Regional Rural Bank called as “**Uttar Bihar Kshetriya Gramin Bank**” with its Head Office at “**Muzaffarpur**”.

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from 1st March, 2006, **Champaran Kshetriya Gramin Bank, Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Madhubani Kshetriya Gramin Bank, Mithila Kshetriya Gramin Bank, Gopalganj Kshetriya Gramin Bank, Saran Kshetriya Gramin Bank and Siwan Kshetriya Gramin Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(1)/2006-RRB(iv)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2006

**का.आ. 390(अ).**— चूंकि, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23क की उपधारा (1) के तहत जारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), बैंकिंग प्रभाग की दिनांक 1 मार्च, 2006 की अधिसूचना संख्या सां.आ. 266 (अ)

द्वारा केन्द्रीय सरकार ने आन्ध्रा बैंक द्वारा प्रायोजित चैतन्य ग्रामीण बैंक और गोदावरी ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का सम्मेलन करके उनको एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिसे "चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक" कहा जाएगा और जिसका प्रधान कार्यालय "गुन्टूर" में होगा, में परिवर्तित करना अधिसूचित किया है ;

अतः अब, प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 23घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, निदेश देती है कि चैतन्य ग्रामीण बैंक और गोदावरी ग्रामीण बैंक, जो सम्मेलन के परिणामस्वरूप कार्य करना समाप्त कर चुके हैं, 1 मार्च, 2006 से भंग हुए माने जाएंगे और यह निदेश उक्त अधिनियम की धारा 26 में शामिल किसी भी विपरीत प्रावधान के रहते हुए भी प्रभावी होगा ।

[फा. सं. 1(1)/2006-आरआरबी (v)]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 2006

**S.O. 390(E).**—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Banking Division, number **S.O. 266(E)** dated **1st March, 2006**, issued under sub-section (1) of Section 23A of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government has notified for amalgamation of the **Chaitanya Grameena Bank and Godavari Grameena Bank** (Regional Rural Banks) sponsored by **Andhra Bank** into a single Regional Rural Bank called as "**Chaitanya Godavari Grameena Bank**" with its Head Office at "**Guntur**".

Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 23D of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), hereby directs that with effect from **1st March, 2006**, **Chaitanya Grameena Bank and Godavari Grameena Bank**, which by reason of amalgamation have ceased to function, shall stand dissolved and shall take effect notwithstanding anything to the contrary contained in section 26 of the said Act.

[F. No. 1(1)/2006-RRB(v)]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.